मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–025

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.एस.के.टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एस.के.-025 : लौकिक संस्कृत साहित्य में विज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न पत्र कुल **दो** खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर किसी **एक** भाषा में हों, हिन्दी **या** संस्कृत **या** अंग्रेजी।*

भाग—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।* $3\times20=60$

1. रामायण में वर्णित वास्तुविज्ञान का सविस्तार वर्णन कीजिए।

2. महाभारत में वर्णित आयुर्विज्ञान तथा चिकित्सा पद्धतियों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

3. बृहत्त्रयी में वर्णित विज्ञान के तत्वों पर प्रकाश डालते हुए ज्योतिष विज्ञान का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. बौद्ध साहित्य में वर्णित पर्यावरण विज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. महाभारत में दिए गए मनोविज्ञान के तत्वों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

6. रामायणकालीन कृषि विज्ञान का विश्लेषण करते हुए खाद्यान्नों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

नोट : *किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. रामायण में वर्णित शस्त्रास्त्र विज्ञान पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

8. महाभारत में प्राप्त गर्भ विज्ञान के साक्ष्यों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

9. बृहत्त्रयी में वर्णित वास्तु विज्ञान का सविस्तार वर्णन कीजिए।

10. भारत में बौद्ध वास्तुकला के उद्धरणों पर प्रकाश डालिए।

11. बौद्ध साहित्य में वर्णित बुद्ध की विभिन्न मुद्रा व हस्त संकेत तथा उनके अर्थ पर प्रकाश डालिए।

12. वास्तुविज्ञान के सिद्धान्त के अनुसार निर्मित महाभारतकालीन दुर्गों व मार्गों का वर्णन कीजिए।

13. रामायण में वर्णित स्थल पारितंत्र तथा जलीय पारितंत्र पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

14. महाभारत में वर्णित ज्योतिष विज्ञान का सविस्तार वर्णन कीजिए।

× × × × ×